

परियोजना का नाम :— जनपद रुद्रप्रयाग में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अन्तर्गत प्रस्तावित, सन से बज्यून
मोटर मार्ग (लम्बाई 15.300 कि०मी) के नव निर्माण हेतु हस्तान्तरण प्रस्ताव।

प्रतिवेदन

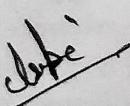
जनपद रुद्रप्रयाग में विकासखण्ड अगस्तमुनी के 250 से अधिक जनसंख्या वाली बसावट बज्यून (CC00252000, H85, Pop. 389) बसावट को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में मोटर मार्ग से संयोजित किये जाने हेतु सचिव ग्राम्य विकास विभाग उत्तराखण्ड शासन देहसादून के कार्यालय ज्ञाप संख्या 1760/पी० 14/यूआर०आर०डौ०ए०/०९/दिनांक 14-12-2009 उत्तराखण्ड शासन द्वारा उपरोक्त मोटर मार्ग प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत प्रस्तावित किया गया है।

वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार बसावट बज्यून की आवादी 389 अभी तक किसी भी मोटर मार्ग से नहीं जुड़ा है। उन्नत कृषि भूमि होने के कारण क्षेत्र की जनता का मुख्य व्यवसाय कृषि एवं पशुपालन है, परन्तु यातायात की सुविधा न होने से कास्तकारों को अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाता है साथ ही यातायात के साधन न होने से सरकार द्वारा घोषित विभिन्न विकास कार्य भी क्षेत्र में सुरक्षा पूर्वक संचालित नहीं हो पाते हैं। अन्य रोजगार के साधन न होने से बेरोजगार युवाओं का शहरों की ओर पलायन हो रहा है। मोटर योजनायें भी सुरक्षा से संचालित हो सकेंगी।

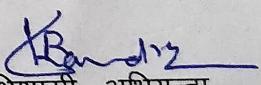
उत्तराखण्डीय है कि पर्वतीय क्षेत्र में कास्तकारों की नाप भूमि के अतिरिक्त समस्त प्रकार की भूमि को वन भूमि श्रेणी में ले लिया गया है। इस पर्वतीय क्षेत्र में कास्तकारों के अनुसार 9 मीटर चौड़ाई में नाप भूमि 7.605 है, वन मार्ग के समरेखण में 15.300 कि०मी० लम्बाई में ग्राम्य विकास विभाग के मानकों के अनुसार 9 मीटर चौड़ाई में उपयुक्त पाया गया है। प्रतिलिपि संलग्न है। अतः 15.300 कि०मी० लम्बाई में ग्राम्य विकास विभाग के मानकों के अनुसार 9 मीटर चौड़ाई में मलवा निस्तारण हेतु सिविल सोयम भूमि 0.929 है। प्रभावित हो रही है जो न्यूनतम एवं पंचायत भूमि 0.00 है, सिविल सोयम भूमि 6.165 है, मलवा निस्तारण हेतु सिविल सोयम भूमि 0.929 है। प्रभावित हो रही है जो न्यूनतम एवं पंचायत भूमि 0.00 है, सिविल सोयम भूमि 6.165 है, मलवा निस्तारण हेतु कुल भूमि 7.094 है। अपरिहार्य है, वन भूमि हस्तान्तरित करने हेतु वन संरक्षण अधिनियम 1980 के प्राविधानों के अन्तर्गत प्रस्ताव गठित कर प्रेशित किया जा रहा है।

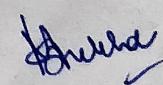
विस्तृत सर्वेक्षण उपरान्त इस मार्ग के निर्माण हेतु 2 समरेखणों पर विचार किया गया है जिन्हें प्रस्ताव में संलग्न इन्डैक्स मानचित्र में अलग-अलग रंग से दर्शाया गया है।

उक्त को ध्यान में रखते हुए समरेखण नं० 2 को निरस्त कर समरेखण नं० 1 को अनुमोदित किया जाता है। इन दोनों समरेखणों का भूवैज्ञानिक द्वारा भी निरीक्षण किया गया है एवं उनके द्वारा समरेखण नं० 1 को मार्ग निर्माण हेतु तकनिकी, पर्यावरणीय एवं भूर्गभीय दृष्टि से उपयुक्त पाया गया है। (प्रतिलिपि संलग्न है) अतः 15.300 कि०मी० लम्बाई में ग्राम्य विकास विभाग के मानकों के अनुसार 9 मीटर चौड़ाई में आने वाली आरक्षित वन भूमि, वन पंचायत भूमि, सिविल सोयम भूमि, वन पंचायत भूमि एवं मलवा निस्तारण हेतु कुल भूमि 7.094 है। अपरिहार्य है, वन भूमि हस्तान्तरित करने हेतु वन संरक्षण अधिनियम 1980 के प्राविधानों के अन्तर्गत यह प्रस्ताव गठित कर प्रेशित किया जा रहा है।


कनिष्ठ अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०, सिचाई खण्ड,
रुद्रप्रयाग


सहायक अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०, सिचाई खण्ड,
रुद्रप्रयाग


अधिशासी अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०, सिचाई खण्ड,
रुद्रप्रयाग


उप वन संरक्षक
रुद्रप्रयाग वन प्रभाग
रुद्रप्रयाग